S-I
CORE-I

Q. What is concept learning? Describe its determinants
संप्रत्यय शिक्षण क्या है? इसको प्रभावित करने वाले निर्धारकों का वर्णन करो

Ans संप्रत्यय या प्रत्यय एक प्रतीक symbol है जिससे वस्तुओं की समान विशेषताओं का बोध होता है। जैसे जब बच्चा अपने परिवार के सदस्यों को एक पक्षी को बार-2 कौआ कहते हुए सुनता है तो वह बच्चा उस पक्षी के समान विशेषता वाले पक्षी को भी कौआ कहने लगता है। स्पष्ट है कि संप्रत्यय एक चयनात्मक तंत्र है जिसमें व्यक्ति उपस्थित उत्तेजना और पूर्व अनुभव के बीच संबंध स्थापित करता है ऊपर के उदाहरण को यदि ध्यान दे तो स्पष्ट होता है कि बच्चे ने कौआ से संबंधित पूर्व अनुभव पहले से है और जब वह किसी दूसरे स्थान पर दूसरे कौआ को देखता है तो वह इसका संबंध पूर्व अनुभव के साथ जोड़कर कहने मे सफल होता है कि यह कौआ है। यदि वह तोता को देखता है तो वह अपने पूर्व अनुभव के साथ इसका संबंध नही जोड़ पाता है यानि वह समझ जाता है कि यह कौआ नही है। इससे स्पष्ट हो जाता है कि संप्रत्यय व्यक्ति के मानसिक संगठन मे घटित होने वाला एक चयनात्मक तंत्र है जिसे परिभाषित करते हुए morris 1976 (मोरिस) ने बताया कि - concepts are basically categories for classifying specific people, things, or events on the basis of common elements.' यानि समान तत्वों के आधार पर विशिष्ट व्यक्तियों वस्तुओं अथवा घटनाओं को विभाजित करने हेतु मौलिक श्रेणियों को संप्रत्यय कहते है।

संप्रत्यय निर्माण मे दो तरह की प्रक्रियाओं का महत्व होता है जिसे पृथक्करण (abstraction) तथा सामान्यीकरण (generalization) कहा जाता है। पृथक्करण के आधार पर भिन्न वस्तुओं के एक ऐसे सामान्य गुण अलग कर लिये जाते है जिसके

Scanned with CamScanner

S - I
CORE - I

आधार पर संप्रत्यय निर्मित हो जाता है जैसे - सेव, नारंगी केला आम सभी एक वर्ग यानि फल के सदस्य है। इन चार वस्तुओं से एक सामान्य गुण को अलग करके फल का संप्रत्यय निर्मित किया गया। जबकि दूसरी प्रक्रिया जो पृथक्करण के बाद शुरू होती है सामान्यीकरण कहलाती है इस प्रक्रिया में व्यक्ति अलग किये गए गुण को उन सभी वस्तुओं में होने की उम्मीद करता है जो उस वर्ग के होते है जैसे - यदि किसी बच्चा को कुत्ता काट लेता है तो बच्चा सभी कुत्तों में काटने का गुण होने की उम्मीद करता है। संप्रत्यय विकास में इन दोनो प्रक्रियाओं का हाथ होता है यहां ऐसे ही कुछ कारकों का वर्णन किया जा रहा है जो संप्रत्यय सीखने की प्रक्रिया को प्रभावित करते है -

1. Transfer स्थानांतरण -

संप्रत्यय विकास पर स्थानांतरण का प्रभाव पड़ता है स्थानांतरण दो प्रकार के होते है जिसे धनात्मक तथा ऋणात्मक स्थानांतरण कहा जाता धनात्मक स्थानांतरण संप्रत्यय निर्माण में सहायता प्रदान करता है जब पहला अनुभव दूसरे अनुभव को हासिल करने में सहायता प्रदान करता है तो यही धनात्मक स्थानांतरण कहलाता है ऐसा तब होता है जबकि उत्तेजना तथा परिस्थितियां भिन्न हो परंतु प्रतिक्रियाए समान हो। जबकि दूसरी तरफ नकारात्मक स्थानांतरण संप्रत्यय अधिगम में बाधक होता है। ऐसा तब होता है जब समान परिस्थितियों में भिन्न प्रतिक्रियाए अपेक्षित होती है जिसकारण नए संप्रत्यय को सीखने में कठिनाई हो सकती है अतः संप्रत्यय के सहज विकास के लिए यह आवश्यक है धनात्मक प्रभाव को बढ़ाने तथा ऋणात्मक प्रभाव को घटाने का प्रयास किया जाए।

Scanned with CamScanner

S-I
CORE-I

2. Distinctiveness भिन्नता –

कुछ वस्तुएं ऐसी होती है जिनके किसी सामान्य विशेषता को ढूंढ निकालना आसान होता है क्योंकि वे बहुत स्पष्ट तथा भिन्न होते है ऐसे सामान्य विशेषता के आधार पर किसी संप्रत्यय को सीखना आसान हो जाता है। जबकि इसी तरह कुछ वस्तुएं ऐसी होती है जिसमें किसी सामान्य विशेषता को आसानी अलग नहीं किया जा सकता क्योंकि सामान्य तथा विशेषताएं इस तरह से घुले मिले होते है कि उन्हे अलग करना कठिन हो जाता है

3. Ability to ~~manipulation~~ manipulator materials सामग्री परिचालन योग्यता

यदि व्यक्ति के सामान्य विशेषता से संबन्धित सामग्रियों को पहचानने और पुनर्व्यवस्थित करने की क्षमता अधिक होती है तो इससे संप्रत्यय सीखने की प्रक्रिया तेजी से होती है जबकि इसकी तरफ जिस व्यक्ति के ऐसी क्षमता नहीं होती है तो उनका संप्रत्यय शिक्षण मंदित हो जाता है।

4. Instruction – निर्देश

संप्रत्यय निर्माण पर निर्देश का भी प्रभाव पड़ता है अध्ययनों से स्पष्ट होता है कि जब प्रयोज्यों को दी गयी सामग्री के सामान्य तत्वों (common element) की खोज करने का निर्देश दिया जाता है तो इससे संप्रत्यय शिक्षण में काफी सहायता मिलती है और व्यक्ति जल्द ही इसे सीख लेता है। इसकी तरफ जब उसे किसी तरह का निर्देश नहीं दिया जाता है तो संप्रत्यय शिक्षण में कठिनाई होती है। जैसे यदि किसी बच्चे को यह कहा जाए कि वह कुत्ते के उपलब्ध विशेषताओं को अन्य पशुओं में देखने का प्रयास करे तो उसे कुत्ते के प्रत्यय को सीखने में सुविधा होती है ऐसा निर्देश के बाद ही एक सामान्य उद्देश्य उत्पन्न हो जाता है जिससे संप्रत्यय शिक्षण आसान हो जाता है।

Scanned with CamScanner

S - I
CORE - I

5 Relevant available information - संगत उपलब्ध सूचना
किसी प्रत्यय को सीखने समय जब सभी संगत सूचनाए उपलब्ध होती है तो उस प्रत्यय को सीखना आसान होता है लेकिन जब एक समय मे एक दो सूचनाए ही प्राप्त होती है तो उस प्रत्यय को सीखने मे कठिनाई होती है। जैसे यदि किसी बच्चे को कहा जाए कि कौआ एक पक्षी है जिसका रंग काला होता है तो केवल इस सूचना के आधार पर वह कौआ के प्रत्यय को नही सीख पाएगा लेकिन जब उसे कौआ के बारे मे सभी विशेषताओं को बता दी जाए तो इस प्रत्यय को वह आसानी से सीख लेगा।

6. Vocabulary शब्द भंडार -
संप्रत्यय शिक्षण शब्द भंडार द्वारा भी प्रभावित होता है। जब किसी व्यक्ति का शब्द भंडार बड़ा होता है तो आसानी से वह भिन्न-2 शब्दों के अर्थ को समझ जाता है और इन शब्दों के आधार पर सामान्य विशेषताओं को आसानी से अलग कर लेता है। अतः जिन व्यक्तियों का शब्द भंडार बड़ा होता है वह किसी संप्रत्यय को आसानी से सीख लेता है तथा जिस व्यक्ति का शब्द भंडार कम होता है वह शब्दों को समझने तथा उसके सामान्य विशेषताओं को अलग करने मे असफल हो जाता है जिसकारण इनके संप्रत्यय शिक्षण गति मंद हो जाती है।

7. Intelligence - बुद्धि
बुद्धि और संप्रत्यय विकास मे काफी गहरा संबन्ध है। ऐसा विश्वास किया जाता है कि अधिक बुद्धिवाले व्यक्ति आसानी से किसी संप्रत्यय को सीख लेते है जबकि कम बुद्धि वाले व्यक्ति मे संप्रत्यय सीखने मे

Scanned with CamScanner

S - I

CORE - I

कठिनाई उत्पन्न होती है बच्चों मे बुद्धि के विकास के साथ-साथ संप्रत्यय का विकास होता है। लेकिन इस संबंध मे विद्वानो के बीच पूर्ण सहमति नही है।

7. Socio economic status सामाजिक आर्थिक स्थिति

संप्रत्यय को सीखने मे सामाजिक आर्थिक स्थिति का भी प्रभाव पड़ता है दैनिक जीवन के अध्ययन से इसकी पुष्टि होती है ~~क्योंकि~~ कि सामाजिक तथा आर्थिक स्थिति अच्छी होने पर व्यक्ति किसी प्रत्यय को आसानी से सीख लेता है लेकिन सामाजिक आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं ~~होने~~ रहने पर प्रत्यय सीखना कठिन हो जाता है। लेकिन यह सिर्फ परिकल्पना है इस संबंध मे प्रयोगात्मक अध्ययन का अभाव है।

8. Nature of Rule नियम का स्वरूप

जब भिन्न-2 विशेषताए किसी नियम द्वारा आपस मे संबंधित हो जाती है तो इससे संप्रत्यय का निर्माण होता है। अध्ययनों से ~~स्पष्ट~~ स्पष्ट होता है कि इन विशेषताओं को आपस मे संबद्ध करने वाले नियम जब सरल होते है तो संप्रत्यय सीखना जल्द होता है और जब ऐसे नियम जटिल होते है तो संप्रत्यय सीखना कठिन हो जाता है। मनोवैज्ञानिक यह भी स्पष्ट करते है कि जैसे-2 विशेषताओं को अर्थपूर्ण ढंग से आपस मे जोड़ने वाले नियम जटिल होते चले जाते है वैसे-2 संप्रत्यय सीखना कठिन होता जाता है।

ऊपर वर्णित ~~कई~~ इन्ही प्रमुख कारकों का प्रभाव संप्रत्यय निर्माण पर पड़ता है। अतः इन कारकों को नियंत्रित करके तथा इनमें सुधार लाकर प्रत्यय निर्माण के मार्ग को और आसान बनाया जा सकता है।

Scanned with CamScanner